

## देवि श्रुति

१. य देवि सर्वभुतेशु इशुनु-मयेति सद्बित णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
२. य देवि सर्वभुतेशु बुद्धि - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
३. य देवि सर्वभुतेशु निद्र - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
४. य देवि सर्वभुतेशु कसुध - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
५. य देवि सर्वभुतेशु चहय - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
६. य देवि सर्वभुतेशु सक्ति - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.
७. य देवि सर्वभुतेशु त्रिस्न - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

८. य देवि सर्वभुतेशु कसन्ति - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

९. य देवि सर्वभुतेशु लज्ज - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१०. य देवि सर्वभुतेशु शन्ति - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

११. य देवि सर्वभुतेशु श्रद्ध - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१२. य देवि सर्वभुतेशु कन्ति - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१३. य देवि सर्वभुतेशु लक्श्म - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१४. य देवि सर्वभुतेशु त्रित्ति - रूपेण सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१५. य देवि सर्वभुतेशु स्मिति - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै,  
णमस तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१६. य देवि सर्वभुतेशु दय - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस  
तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१७. य देवि सर्वभुतेशु तुस्ति - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस  
तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.

१८. य देवि सर्वभुतेशु मत्रि - रुपेन सम्स्थित, णमस तस्यै, णमस  
तस्यै, णमस तस्यै नमो नमह.